भारत – टोगो संबंध

भारत और टोगो के बीच मधुर द्विपक्षीय संबंध हैं। टोगो में भारत का रेजीडेंट मिशन नहीं है। अकरा के भारतीय उच्चायोग को साथ ही टोगो का काम भी प्रत्यायित किया गया है। है। लोम में एक भारतीय मानद काउंसल है। टोगो ने अक्टूबर, 2010 में नई दिल्ली में अपना रेजीडेंट मिशन खोला।

टोगो के राष्ट्रपति श्री ग्नासिंगबे एयाडेमा ने वर्ष 1994 में भारत का दौरा किया था। पूर्व में वर्ष 1989 में उन्होंने चीन जाते समय कलकत्ता में थोड़े समय के लिए ठहराव किया था। प्रधान मंत्री श्री गिलबर्ट होंगबो ने मार्च 2010 एवं 2011 में सीआईआई- एक्सिम बैंक कॉन्क्लेव में भाग लेने के लिए भारत का दौरा किया था।

टोगो से वर्ष 1981 में योजना, औद्योगिक विकास एवं प्रशासनिक सुधार मंत्री ने भारत का दौरा किया था। ग्रामीण विकास मंत्री ने वर्ष 1985 में भारत का दौरा किया था। नवंबर 2005 तथा अक्टूबर 2006 में नई दिल्ली में और मई 2006 में अकरा में आयोजित 'भारत-अफ्रीका परियोजना भागीदारियों' संबंधी सीआईआई-एक्सिम कॉन्क्लेव में उच्च स्तरीय सरकारी एवं व्यावसायिक प्रतिनिधिमंडलों ने भाग लिया। टोगो के कोऑपरेशन एवं नेपाड मंत्री ने अक्टूबर 2006 के सीआईआई कॉन्क्लेव के लिए टोगो के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया था।

प्रधान मंत्री श्री गिलबर्ट फूसोन होंगबो ने मार्च 2010 में भारत में आयोजित 6ठे सीआईआई-एक्सिम कॉन्क्लेव के लिए और 3 जून 2010 को अकरा में आयोजित भारत-अफ्रीका परियोजना भागीदारी संबंधी 12वें क्षेत्रीय कॉन्क्लेव में भाग लेने के लिए टोगो के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया था। राष्ट्रपति के वरिष्ठ राजनयिक सलाहकार श्री कोफी एसाव ने भारत में टोगो के रेजीडेंट मिशन के उद्घाटन के लिए अक्टूबर 2010 में भारत का दौरा किया था।

विदेश एवं सहयोग मंत्री के नेतृत्व में टोगो के प्रतिनिधिमंडल ने फरवरी 2011 में भारत का दौरा किया और सबसे कम विकसित देशों के सम्मेलन में भाग लिया। प्रधान मंत्री गिलबर्ट फोसोन होंगबो के नेतृत्व में एक 50-सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने मार्च 2011 में सीआईआई कॉन्क्लेव के लिए भारत का दौरा किया था।

खनन एवं ऊर्जा मंत्री श्री नोपोकोउ डैमिपी के नेतृत्व में एक मंत्री स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने नवंबर 2011 में ग्रामीण विद्युतीकरण परियोजना के लिए टोगो सरकार को प्रदत्त 15 मिलियन यूएस डॉलर के लाइन्स ऑफ क्रेडिट (एलओसी) के लिए भारत के एक्सिम बैंक के साथ एलओसी करार पर हस्ताक्षर करने के लिए नई दिल्ली का दौरा किया था।

तीन संसद सदस्य, मिस्टर अजांग्बा अग्बेसी थिओफिले, मि. कोफी जोसेफ चिको अकोडा और मि. आयो निकोडेम हबिया ने मार्च 2012 में आयोजित 'लीडर्स ऑफ फ्यूचर' कार्यक्रम में भाग लेने के लिए भारत का दौरा किया था। आखिरी दो संसद सदस्य मि. के. चिको जोसेफ अकोडा और मि. आयो हबिया ने मार्च 2013 में 'लीडर्स ऑफ फ्यूचर' कार्यक्रम में भाग लेने के लिए पुन: भारत का दौरा किया था और भारत-अफ्रीका परियोजना भागीदारी संबंधी 9वें सीआईआई-एक्सिम बैंक कॉन्क्लेव में भी भाग लिया था। व्यापार एवं निजी क्षेत्र संवर्धन मंत्री सुश्री एसोसिमना लेगजिम-बलोकी ने मार्च 2013 में नई दिल्ली में आयोजित 9वें सीआईआई-एक्सिम बैंक कॉन्क्लेव में भाग लेने वाले टोगो के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया था। वाणिज्य एवं निजी क्षेत्र संवर्धन मंत्री ने मार्च 2014 में नई दिल्ली में आयोजित 10वें सीआईआई-एक्सिम बैंक कॉन्क्लेव में भाग लेने वाले टोगो के 7-सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया था।

टोगो के विदेश मंत्री श्री राबर्ट दुसे के नेतृत्व में टोगो के एक शिष्टमंडल ने 27 से 30 अक्टूबर 2015 के दौरान नई दिल्ली में आई ए एफ एस 3 शिखर बैठक में भाग लिया तथा उन्होंने हमारे विदेश मंत्री के साथ द्विपक्षीय बैठक भी की। टोगो की व्यापार, निजी क्षेत्र संवर्धन मंत्री सुश्री एसोसिमना लेग्जिम बलूकी ने भी आई ए एफ एस 3 के दौरान अतिरिक्त समय में 23 और 24 अक्टूबर 2015 को व्यापार मंत्री बैठक में भाग लेने के लिए भारत का दौरा किया।

भारत की ओर से, लोक सभा अध्यक्ष डॉ0 बलराम जाखड़ ने वर्ष 1985 में अंतर-संसदीय सम्मेलन के लिए लोम का दौरा किया था। टोगो में 1984 में एक भारतीय नृत्य कला मंडली ने टोगो का दौरा किया था। राज्य मंत्री (एएस) श्री आनंद शर्मा ने घाना की स्वतंत्रता के स्वर्ण जयंती समारोह में भाग लेने के लिए अपनी घाना यात्रा के दौरान अकरा में 7 मार्च 2007 को टोगो के राष्ट्रपति से मुलाकात की थी और उनके साथ पारस्परिक हित के मुद्दों पर चर्चा की थी।

आई ए एफ एस 3 शिखर बैठक के लिए टोगो के राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री को निमंत्रण देने के लिए प्रधानमंत्री के विशेष दूत के रूप में कृषि राज्य मंत्री श्री मोहनभाई कुंडारिया ने 7 और 8 जुलाई 2015 को टोगो का दौरा किया। उन्होंने अपनी इस यात्रा के दौरान टोगो के प्रधानमंत्री डा. कोमी सेलोम क्लासू से मुलाकात की।

श्री अजय भट्टाचार्य, सचिव (उर्वरक) के नेतृत्व में एक 5-सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने फॉस्फेट उर्वरकों के क्षेत्र में सहयोग की संभावनाएं तलाश करने के लिए 10-11 जुलाई 2012 को टोगो का दौरा किया था। सचिव (उर्वरक) श्री सुधीर मित्तल के नेतृत्व में भारत सरकार के एक अन्य उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने फॉस्फेट के खनन और उर्वरक के डाउनस्ट्रीम मैन्युफैक्चर की संभावनाएं तलाश करने के लिए जून 2013 में टोगो का दौरा किया था।

कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग के अपर सचिव श्री अरविंद कौशल के नेतृत्व में एक तीन सदस्यीय भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने आईएएफएस के निर्णयों के तहत टोगो में कृषि बीज उत्पादन-सह-प्रदर्शन केंद्र की स्थापना के सिलसिले में दिसंबर 2013 को टोगो का दौरा किया था।

डॉ0 मिलन शर्मा और सुश्री स्वाति जोशी के एक दो सदस्यीय आईएल एंड एफएस क्लस्टर प्रतिनिधिमंडल ने टोगो के कपास उद्योग के विकास के लिए तकनीकी सहायता प्रदान करने के लिए मई 2014 में टोगो का दौरा किया था।

वाणिज्यिक संबंध :

भारत ने टोगो को ट्रैक्टरों (60), वाटर पम्पों, सिलाई मशीनों, एम्बुलेंस, परिवहन वाहनों, अनाज पीसने की मशीनों आदि के रूप में आर्थिक सहायता प्रदान की है। टोगो की सरकार के अनुरोध पर टोगो में हुए चुनावों के लिए वर्ष 2002 में अमिट स्याही की आपूर्ति की गई थी। भारत ने वर्ष 2008 में बाढ़ से प्रभावित लोगों के लिए जरूरी दवाओं की एक खेप भेजी थी।

भारत की सिंथेटिक एवं रेयॉन वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद (एसआरटीईपीसी) ने टोगो में मार्च 2013 में एक दो-दिवसीय भारतीय वस्त्र प्रदर्शनी (इन्टेक्स्पो 2013) का आयोजन किया था। इस प्रथम प्रदर्शनी में स्थानीय कंपनियों/व्यापारियों ने अच्छी भागीदारी की थी।

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (आईआईएफटी), नई दिल्ली ने टोगो के चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के सहयोग से अगस्त 2013 में लोम में एक एग्जीक्यूटिव डवलपमेंट प्रोग्राम (ईडीपी) का आयोजन किया था। इसमें सरकारी, निजी क्षेत्र के संगठनों और निजी व्यवसायों के 69 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। स्वास्थ्य क्षेत्रों में अवसरों का पता लगाने के लिए अपोलो हॉस्पिटल से दो सदस्यीय शिष्टमंडल ने मार्च 2015 में टोगो का दौरा किया।

भारत ने टोगो को विभिन्न परियोजनाओं, जिनमें 'प्रोजेक्ट हैल्थ इक्विपमेंट' (पूर्ण); सीसीईटी की ऊर्जा उत्पादन एवं वितरण क्षमता के स्तरोन्नयन की परियोजना (कार्यान्वयनाधीन); ग्रामीण विद्युतीकरण (अक्टूबर 2013 में आरंभ); कारा-मैंगो-डापोंग में पारेषण लाइनें (मार्च 2014 में हस्ताक्षरित) और "चावल, मक्का और ज्वार की खेती और किसानी" का वित्तपोषण (प्रक्रियाधीन) शामिल हैं, के लिए ईबीआईडी के जरिये तथा द्विपक्षीय रूप से कुल 145 मिलियन यूएस डॉलर का लाइन्स ऑफ क्रेडिट प्रदान किया है।

वर्ष 2008 में, टोगो ने पैन-अफ्रीकन ई-नेटवर्क परियोजना के साथ कंट्री एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किए थे जिसे कार्यान्वित कर दिया गया है। भारत ने भारत-अफ्रीका मंच सम्मेलन (आईएएफएस) के निर्णयों के तहत, टोगो में तीन अन्य परियोजनाएं, अर्थात् एक ह्यूमन सैटलमेंट सेंटर, एक भारत-अफ्रीका अंग्रेजी भाषा केंद्र, और एक कृषि बीज उत्पादन-सह-प्रदर्शन केंद्र, स्थापित करने का भी प्रस्ताव दिया है। सचिव, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) ने टोगो के प्राधिकारियों के साथ टोगो में कृषि बीज उत्पादन-सह-प्रदर्शन केंद्र स्थापित करने के बारे में चर्चा के लिए दिसंबर 2013 में टोगो का दौरा करने वाले एक 3 सदस्यीय भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया।

उपलब्ध सांख्यिकी के अनुसार दोनों देशों के बीच कुल द्विपक्षीय व्यापार पिछले चार वर्षों में स्थिर बना हुआ है। व्यापार के आंकड़े इस प्रकार हैं:

(आंकड़े मिलियन अमरीकी डालर में)

वर्ष	**टोगो को निर्यात**	**टोगो से आयात**	**कुल व्यापार**
2011-12	355.00	150.28	505.28
2012-13	299.88	177.41	477.29
2013-14	443.93	156.34	600.27
2014-15	688.42	195.65	884.07

टोगो को भारत से निर्यात की जाने वाली वस्तुओं में मुख्यत: खनिज ईंधन, खनिज तेल और उनके डिस्टिलेशन उत्पाद; अनाज और अनाज कॉटन से बने सामान; ओढ़ने और पहनने की वस्तुएं; लौह एवं इस्पात की वस्तुएं; हाथ से बने फिलामेंट; हाथ से बने स्टेपल फायबर; दवाएं और औषधियां; मशीनरी तथा यांत्रिक उपकरण; प्लास्टिक तथा उससे बनी वस्तुएं; रबर और उससे बनी वस्तुएं; वाहन और उनके पार्ट्स आदि शामिल हैं। टोगो से आयात की जाने वाली वस्तुओं में प्राकृतिक फॉस्फेट, लौह और अपव्यय तांबा और स्क्रैप; लकड़ी और लकड़ी का सामान; अन्य धातु स्क्रैप; तिलहन; नारियल और ब्राजील नट्स आदि शामिल हैं।

आई टी ई सी :

भारतीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग (आईटीईसी) कार्यक्रम के तहत भारत मानव संसाधन विकास संबंधी प्रशिक्षण प्रदान करता है। इसने वित्त वर्ष 2012-13 में 35 स्लॉटों का उपयोग किया जबकि विगत वित्त वर्ष 2013-14 में 37 स्लॉटों का उपयोग किया गया। वित्त वर्ष 2014-15 के लिए इसे आई टी ई सी के 50 स्लॉटों का आवंटन किया गया है जिसमें से 35 स्लाटों का उपयोग किया गया। उपर्युक्त के अलावा, टोगो के 6 वैज्ञानिकों ने सी.वी. रमन अनुसंधान अध्येतावृत्ति योजना के अंतर्गत शोध अध्ययन के लिए जून और दिसंबर 2013 के बीच भारत की यात्राएं की हैं।

भारतीय समुदाय :

टोगो में भारतीय समुदाय छोटा है और इस देश में लगभग 200-300 भारतीय रह रहे हैं। उनमें से अधिकांश व्यापार, असेंबलिंग, सुपर बाजार संचालन, होटलों आदि के व्यवसायों में लगे व्यवसायी हैं। समुदाय का एक संघ है, यद्यपि वह समुदाय के छोटे आकार के कारण बहुत अधिक सक्रिय नहीं है। 21 जून 2015 को अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाया गया जिसमें जीवन के विभिन्न क्षेत्रों से लगभग 150 लोगों ने भाग लिया।

उपयोगी संसाधन :

भारतीय उच्चायोग, एकरावेबसाइट::
http://www.indiahc-ghana.com/ भारतीय उच्चायोग, एकरा फेसबुक पृष्ठ:
https://www.facebook.com/pages/High-Commission-of-India-Accra-Ghana/

***

फरवरी, 2016